

Department of Home Science
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
Event: Traditional Indian Style Fine Arts Workshop
2nd - 4th April, 2024

A three-day 'Traditional Indian Style Fine Arts Workshop' was organised from 2nd April, 2024 to 4th April, 2024 under the joint aegis of the Fine Arts and Home Science Department of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind. The Principal of the college, Dr. Punam Mor inaugurated the workshop with the lighting of the lamp and said that this workshop was conducted under the guidance of Mr. Gautam Satyaraj. This workshop was conducted by Mrs. Arti Saini, incharge of Home Science department and teachers of Home Science department Mrs. Tanu Rani and Mrs. Anu Rani. 40 students participated in this workshop. On the first day, collage making, painting, on the second day phuljhadi, parrot, modern art and bandarwal making were taught. The third day was inaugurated by Honorable Gautam Satyaraj ji by making Leepan Kala and Sanjhi. Using various Indian styles, he inspired the students to keep our traditional style alive and in future the students can also use this style as their own employment. The Principal inspected all the items made during the workshop and while congratulating the students, addressed that this type of workshop creates interest as well as confidence in the students. The Principal honored Mr. Gautam Satyaraj ji by giving a letter of appreciation. At the end of the workshop, Fine Arts Incharge Mrs. Raman Kumari expressed her gratitude to Principal Dr. Punam Mor, Home Science Department Incharge Mrs. Aarti Saini and teachers of Home Science department Mrs. Tanu Rani and Mrs. Anu Rani for their cooperation. Overall, this workshop proved to be a beneficial and informative session for the students. President of the governing body of the college, Dr. Anshul Singla Ji congratulated the organizing team and encouraged the students to participate in such workshops in future also.

Glimpses & Media Coverage of the Event



दैनिक जागरण पानीपत, 6 अप्रैल, 2024

तीन दिवसीय परंपरागत भारतीय शैली कार्यशाला का समापन

कार्यशाला में भाग लेने वाली छात्राओं द्वारा बनाई गई पोस्टिंग • सौ. कालेज।

जागरण संवाददाता, जींद : हिंदू कन्या महाविद्यालय के फाइन आर्ट्स और गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय परंपरागत भारतीय शैली कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। कालेज प्राचार्य डा. पुनम मोर ने करते हुए बताया कि यह कार्यशाला गौतम सत्यराज के निर्देशन में की गई। प्रथम दिन कोलाज मेकिंग, दूसरे दिन फुलझंडी, तोता

मॉडर्न आर्ट, एवं बिंदरवाल बनाने सिखाई। तीसरे दिन का शुभारंभ गौतम सत्यराज ने लीपन कला व सांझी बना कर किया। उन्होंने विभिन्न भारतीय शैली का प्रयोग करते हुए छात्राओं को हमारे परंपरागत शैली को जीवंत रखने के लिए प्रेरित किया व भविष्य में छात्राएं इस शैली के द्वारा स्वरोजगार की तरह भी प्रयोग में ला सकते हैं प्राचार्य ने इसका निरीक्षण किया।

जींद केसरी
शनिवार SATURDAY, 6 अप्रैल 2024

3 दिवसीय परंपरागत भारतीय शैली कार्यशाला का समापन

प्रतियोगिता में पोस्टिंग दिखाते हुए उपस्थित छात्राएं।

जींद, 5 अप्रैल (मितल): हिंदू कन्या महाविद्यालय के फाइन आर्ट्स और गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 3 दिवसीय परंपरागत भारतीय शैली कार्यशाला का समापन हुआ, जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज की प्राचार्य डा. पुनम मोर ने करते हुए बताया कि यह कार्यशाला गौतम सत्यराज के निर्देशन में की जाएगी। कार्यशाला में 40 छात्राओं ने भाग लिया।

दूसरे दिन फुलझंडी, तोता, मॉडर्न आर्ट एवं बिंदरवाल बनाने सिखाई। तीसरे दिन का शुभारंभ मान्यवर गौतम सत्यराज ने लीपन कला व सांझी बनाकर किया। उन्होंने विभिन्न भारतीय शैली का प्रयोग करते हुए छात्राओं को हमारे परंपरागत शैली को जीवंत रखने के लिए प्रेरित किया और भविष्य में छात्राएं शैली द्वारा अपने स्वयं रोजगार की तरह भी प्रयोग में ला सकते हैं।

प्राचार्य ने कार्यशाला के दौरान बनाई सभी चीजों का निरीक्षण किया व छात्राओं को बधाई देते हुए संतोषित किया कि इस प्रकार की कार्यशाला छात्राओं में रुचि के साथ-साथ आत्मविश्वास भी पैदा करती है। प्राचार्य ने गौतम सत्यराज को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यशाला के अंत में फाइन आर्ट्स इंचार्ज रमन कुमारी ने प्राचार्य डा. पुनम मोर, गृह विज्ञान विभाग इंचार्ज आरती सेनी व प्राध्यापिकाएं तनु रानी, अनु रानी का आभार व्यक्त किया।